Maple EDUCATION

ANSWER KEY

संस्कृत मंजरी

Class
1 To 5

Written By :
Anuja Arora

PURPLE STROKE

© All Rights Reserved Information contained in this book has been published by MAPLE EDUCATION (A UNIT OF PARI PUBLICATION) has been obtained by its authors from sources believed to be reliable and are correct to the best of the knowledge. However, the publisher and its authors shall in no event be liable for any errors, omissions or damages arising out of use of this information and specifically disclaim any implied warranties or merchantability or fitness for any particular use.
Warm Welcome for your suggestions and guidelines to improve the book for bright educational INDIA.

संस्कृत मंजरी

कक्षा - 1

अध्याय- प्रथम: सचित्र संस्कृत वर्णमाला

(I) 1. एरण्डफलम् 2. औषधालय 3. ईश्वर: 4. ऊर्मिका 5. अम्लिका 6. इष्टिका 7. उलूखलम्। **(II)** 1. (3) 2. (5) 3. (4) 4. (1) 5. (2) । **(III)** 1. ईंट 2. भात 3. अंगूठी 4. जादूगर 5. पपीता 6. ओखली 7. इमली 8. भगवान।

अध्याय- द्वितीय: संस्कृत व्यंजन माला

(I) 1. छात्र पढ़े। **(II)** 1. छत्रम् 2. स्वर: 3. डमरू: 4. दर्दुर: 5. घट: 6. झष: 7. धनु: 8. वट: 9. श्रवण 10. जलयानम् 11. गजानन: 12. सर्प: 13. भगत: 14. रवि:। **(III)** 1. (7) 2. (5) 3. (6) 4. (2) 5. (1) 6. (8) 7. (3) 8. (4)। **(IV)** 1. चाँदी का सिक्का 2. तकली 3. मेंढक 4. बरगद 5. दरकी।

अध्याय- तृतीय: से षष्ठ: तक छात्र स्वयं पढ़े।

अध्याय- सप्तम: सर्वनाम शब्द (एतद् पुल्लिंग)

(I) 1. वानर: 2. खगौ 3. अश्वा: सन्ति 4. देवालय:। **(III)** 1. इमली 2. जहाज 3. जादूगर 4. ओखली। **(III)** 1. एरण्डफलम् 2. कपोत: 3. आम्रम् 4. इष्टिका 5. ओदनम् 6. रवि: 7. खर: 8. झष:।

अध्याय- नवम्: धातुएँ

(I) 1. हसति, हसत:, हसिन्त 2. हससि, हसथ:, हसथ। **(II)** 1. पठति, पठत:, पठन्ति 2. पठसि, पठथ:, पठथ 3. पठामि, पठाव:, पठाम:। 2. 1. लिखति, लिखत:, लिखन्ति 2. लिखसि, लिखथ:, लिखथ 3. लिखामि, लिखाव:, लिखाम:। **(III)** 1. पीना 2. दौड़ना 3. खाना 4. घूमना 5. देखना 6. बोलना।

कक्षा - 2

अध्याय- प्रथम: अकारान्त पुल्लिंग शब्द

(I) 1. स: गज: अस्ति। 2. तौ सिंहौ स्त:। 3. ते अश्वा: धावन्ति। **(II)** (क) ते गजा: सन्ति। (ख) बालक: पठति। (ग) स: सैनिक: अस्ति। (घ) तौ सिंहौ धावत:। (ङ) ते धावन्ति। (च) बालिका लिखति। (छ) मोहन दुग्धम् पिबति। **(III)** 1. वह 2. वे सब 3. कौन 4. हाथी 5. पढ़ता है 6. नमस्कार करते हैं 7. दौड़ते हैं 8. दो घोड़े 9. है। **(IV)** 1. पठति 2. गच्छति 3. धावन्ति 4. गर्जति।

अध्याय- द्वितीय: संस्कृत व्यंजन माला

(I) 1. महिला: 2. कलिका: 3. मक्षिका 4. बालिके। **(II)** (क) कलिका: विकसन्ति। (ख) रमा पठति। (ग) सा का बालिका अस्ति ? (घ) ते लते झुकत:। **(III)** (क) वह हंसती है। (ख) वे दो पढ़ते हैं। (ग) वे दो महिलाएँ जाती हैं। (घ) वे सब छात्राएँ खेलती हैं। **(IV)** 1. छात्रा, छात्रे, छात्रा: 2. कलिका, कलिके, कलिका: 3. लता, लते, लता: 4. शाखा, शाखे, शाखा: 5. मक्षिका, मक्षिके, मक्षिका: 6. रमा, रमे, रमा:।

अध्याय- तृतीय: आकारान्त नपुंसकलिंग शब्द

(I) 1. पुष्पाणि 2. पत्रे 3. फलम् 4. पुस्तकानि 5. नेत्रे 6. रुप्यकम्। **(II)** (क) तानि कमलानि सन्ति। (ख) चक्रम् भ्रमति। (ग) ते पुस्तके स्त:। (घ) पुष्पम् पतति। **(III)** (क) वे सब वस्त्र हैं। (ख) पत्र गिरता है। (ग) वे दो नेत्र हैं। (घ) वे सब फूल खिलते हैं। **(IV)** (क) (3) (ख) (4) (ग) (2) (घ) (1) (ङ) (5)।

अध्याय- चतुर्थ: मध्यम तथा उत्तम पुरुष

(I) 1. त्वम् 2. युवाम् 3. यूयम्। **(II)** (क) तुम सब विद्यालय जाते हो। (ख) तुम आम खाते हो। (ग) हम सब गेंद से खेलते हैं। **(III)** (i) (ग) (ii) (क) (iii) (ख) (iv) (ङ) (v) (च) (vi) (घ)।

अध्याय- पंचम: संस्कृत शब्द कोश:

(I) 1. कपोत:, कबूतर 2. मयूर:, मोर 3. कोकिला, कोयल 4. शुक:, तोता। **(II)** 1. नेत्रम्, आँखे 3. कर्ण:, कान 3. नासिका, नाक 4. हस्त:, हाथ। **(III)** 1. सिंह, शेर 2. वृषभ:, बैल 3. मृग:, हिरण 4. अश्व:, घोड़ा 5. उष्ट्र:, ऊँट। **(IV)** 1. आँखें, Eyes 2. नासिका 3. कान 4. Hands 5. बाघ, Tiger 6. कुक्कुर: 7. Goat 8. गज:, Elephant 9. शुक:, तोता 10. Crow।

अध्याय- षष्ठ: सचित्र हिन्दी-संस्कृत-अंग्रेजी-कोश:

(I) 1. रसना 2. काष्ठ-पट्टिका 3. करज: 4. वेष्ठनम् 5. अंस:।

अध्याय- सप्तम: दैनिक व्यवहार में आने वाली वस्तुओं के शब्द

(I) 1. फेनिलम् 2. पर्यङ्क 3. औषधि: 4. क्रीडनम्। **(II)** 1. (ग) 2. (घ) 3. (क) 4. (ख)।

अध्याय- अष्टम: व्यवसाय से सम्बन्धित शब्द

(I) 1. तक्षक: 2. कृषक: 3. नापित: 4. पत्रवाहक:। **(II)** 1. (ग) 2. (क) 3. (घ) 4. (ख)।

कक्षा - 3

अध्याय- प्रथम: धातु-परिचय (क्रियाएँ)

(I) 1. धाव् 2. हस् 3. खाद् 4. पिव् 5. गम् 6. पठ 7. लिख् 8. पश्य। **(II)** 1. (घ) 2. (च) 3. (ङ) 4. (ख) 5. (ग) 6. (क)। **(III)** 1. पश्यत: 2. पश्यसि, पश्यथ 3. पश्याव:

अध्याय- द्वितीय: सर्वनाम-परिचय

(I) 1. संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किये जाने वाले शब्दों को सर्वनाम कहते हैं। 2. पुल्लिंग एकवचन- अयम् द्विवचन- इमौ, बहुवचन- इमे 3. युष्मद् (तुम) दोनों लिंगों में समान एकवचन- त्वम, त्वाम् द्विवचन- युवाम्, युवाम बहुवचन- यूयम, युष्मान् 4. अस्मद् (मैं) दोनों लिंगों में समान एकवचन- अहम्, माम् द्विवचन- आवाम्, आवाम् बहुवचन- वयम्, अस्मान् **(II)** 1. स:, तौ, ते 2. एष:, एतौ, एते 3. अयम्, इमौ,

इमे 4. कः, कौ, के 5. किम्, के, कानि 6. माम्, आवाम्, अस्मान्। **(III)** 1. पठतः 2. पठसि, पठथ 3. पठावः।

अध्याय- तृतीयः कारक-परिचय

(I) 1. क्रिया के साथ सम्बन्ध जोड़ने वाले शब्द 'कारक' कहलाते हैं। 2. कर्म कारक द्वितीया विभक्ति के लिए होता है। 3. अधिकारण कारक सप्तमी विभक्ति में आता है। 4. का, की, के चिह्न सम्बन्ध कारक के हैं। **(II)** 1. पुस्तकं 2. पिवति 3. भिक्षुकाय 4. गृहात् 5. वृक्षे **(III)** 1. (च) 2. (ङ) 3. (ख) 4. (ग) 5. (क) 6. (घ) 7. (ज) 8. (छ)

अध्याय- चतुर्थः कर्ता कारक

(I) 1. किसी क्रिया को करने वाले को 'कर्ता' कहते हैं। 2. कर्ता कारक में प्रथमा विभक्ति का प्रयोग होता है। **(II)** 1. मृगः 2. गच्छति 3. छात्राः 4. चित्रकारः 5. क्रीडामि 6. पुस्तकः। **(III)** 1. बालक विद्यालय जाता है। 2. मैं यहाँ खेलता हूँ। 3. चित्रकार चित्र बनाता है। 4. गीता पुस्तक पढ़ती है।

अध्याय- पंचमः कर्म कारक

(I) 1. कर्ता के कार्य का (फल) प्रभाव जिस पर पड़ता है, उसे 'कर्म' कहते हैं। 2. कर्म कारक में द्वितीया विभक्ति का प्रयोग होता है। **(II)** 1. दुग्धं 2. गच्छति 3. भोजनं 4. सर्पः 5. विकसन्ति **(III)** 1. बालिका नृत्य करती है। 2. मैं घर जाता हूँ। 3. तुम कहाँ रहते हो। 4. बालक विद्यालय जाता है। 5. यह एक बालक है। **(IV)** 1. सः भोजनं खादति। 2. सा पत्रं लिखति। 3. सः कुत्र गच्छति। 4. बालिकाः भोजनम् पचति। 5. वयम् विद्यालयं गच्छामः। 6. तौ गृहं गच्छतः। 7. त्वं पुस्तकं पठसि। 8. ते गृहं गच्छन्ति। 9. त्वं कुत्र वससि। 10. सः पुस्तकं पठति। 11. तौ क्रीडातः। 12. त्वं जनकस्य कः नामः अस्ति।

अध्याय- षष्ठः करण कारक

(I) 1. जिस साधन के द्वारा कार्य किया जाय, उसे 'करण कारक' कहते हैं। 2. 'करण कारक' का चिह्न होता है- 'से, के द्वारा' तथा इसमें 'तृतीया विभक्ति' होती है। **(II)** 1. बालकाः 2. पुत्रेण 3. खादति 4. कलमेन 5. दण्डेन। **(III)** 1. वह पुस्तक पढ़ता है। 2. वह कलम से पत्र लिखती है। 3. मैं तेज गति से जाता हूँ। 4. कमला साबुन से कपड़े धोती है। 5. बालक हाथ से खाता है। 6. शेर तेज गर्जता है। 7. मोर पैरों से नाचता है।

अध्याय- सप्तमः सम्प्रदान कारक

(I) 1. जिसे कोई वस्तु दी जाती है या जिसके लिए क्रिया की जाती है, उसे 'सम्प्रदान कारक' कहते हैं। 2. सम्प्रदान कारक का चिह्न 'के लिए' होता है तथा इसमें 'चतुर्थी विभक्ति' का प्रयोग होता है। **(II)** 1. गच्छन्ति 2. पठनाय 3. बालकाय 4. नमः 5. आचार्य **(III)** 1. अहम् पश्यामि। 2. त्वं पठनाय गच्छसि। 3. अहम् क्रीडामि। 4. वयम् हसामः। 5. माता च पिताभ्याम् नमः। 6. सः क्रीडनाय क्षेत्रम् गच्छति। 7. ईश्वराय नमः। 8. बालिकाः भिक्षुकाय अन्नं ददाति।

अध्याय- अष्टमः अपादान कारक

(I) 1. अलग होने के अर्थ को 'अपादान कारक' कहते हैं। 2. अपादान कारक का चिह्न 'से' अलग होना होता है तथा इसमें 'पंचमी विभक्ति' होती है। 3. (i) पेड़ से पत्ता गिरता है। (ii) आकाश से जल गिरता है। (iii) पर्वत से नदी निकलती है। (iv) धनुष से तीर निकलता है। 4. (i) वृक्षात् फलानि पतन्ति। (ii) आकाशात् जलं पतति। **(II)** 1. अध्यापकात् 2. भवति 3. उद्गमति 4. आकाशात् 5. पुस्तकालयात् 6. फलानि। **(III)** 1. वृक्षात् फलं पतति। 2. त्वं कुत्र वससि। 3. बालकाः वानरैः भयन्ति। 4. छात्राः विद्यालयात् आगच्छन्ति। 5. बालकाः वृक्षात् फलानि तोड़न्ति। **(IV)** 1. हिमालय से गंगा निकलती है। 2. वृक्ष से पत्ते गिरते हैं। 3. वह विद्यालय से पुस्तक लाता है।

अध्याय- नवमः सम्बन्ध कारक

(I) 1. जिसके द्वारा कर्ता का सम्बन्ध सूचित होता है, उसे 'सम्बन्ध कारक' कहते हैं। 2. सम्बन्ध कारक के चिह्न 'का, की, के' होते है तथा इसमें 'षष्ठी विभक्ति' का प्रयोग होता है। **(II)** 1. मित्रस्य 2. वृक्षाणाम् 3. बालकस्य 4. शीतलः 5. जलम् 6. कूजनम्, भवति 7. सूर्यस्य। **(III)** 1. इदम् बालकस्य पुस्तकम् अस्ति। 2. वृक्षस्य पत्राणि हरितानि सन्ति। 3. इदम् रामस्य गृहम् अस्ति। 4. भ्रमरस्य गुंजनम् मधुरम् भवति। 5. इदम् मोहनस्य दुग्धम् अस्ति।

अध्याय- दशमः अधिकरण कारक

(I) 1. जो किसी वस्तु का आधार हो अर्थात् जिस स्थान पर क्रिया होती है, उसे 'अधिकरण कारक' कहते हैं। 2. अधिकरण कारक के चिह्न 'में, पर' होता है तथा इसमें 'सप्तमी विभक्ति' का प्रयोग होता है। **(II)** 1. बालकाः, कुर्वन्ति। 2. नीडेषु 3. पुस्तकानि 4. पर्वतेषु 5. जले 6. उड्डयन्ति। **(III)** 1. आकाशे मेघाः गर्जयन्ति। 2. सरोवरे कमलाः विकसन्ति। 3. भक्तजनाः देवालये अर्चनाम् कुर्वन्ति। 4. ग्रामे कृषकाः हलम् चालयन्ति। 5. वर्षाकाले मयूराः नृत्यन्ति। 6. सैनिकाः क्षेत्रे लड़यन्ति।

अध्याय- एकादशः सम्बोधन कारक

(I) 1. किसी को बुलाते समय सम्बोधन के रूप में जो शब्द प्रयोग में आते हैं, 'सम्बोधन कारक' कहलाते हैं। 2. सम्बोधन कारक के चिह्न 'हे, अरे, भो' होते हैं तथा इसमें 'अष्टमी विभक्ति' का प्रयोग होता है। **(II)** 1. करोषि 2. अवकाशः 3. इच्छामि 4. किम् 5. क्रीडामः। **(III)** 1. हे मित्र! त्वम् कुत्र वससि ? 2. हे राम! किम् त्वम् हाटम् नयसि ? 3. भो बालाः! श्व अस्माकम् अवकाशः अस्ति। 4. हे बालिकाः! किम् त्वं उद्धाने गच्छसि ?

अध्याय- द्वादशः श्लोकाः

(I) छात्र स्वयं करें **(II)** **(क)** माता च पिता त्वमेव, त्वमेव बंधुश्च सखा विद्या द्रविणं त्वमेव, त्वमेव सर्वं मम। **(ख)** 1. फलन्ति वृक्षाः। 2. परोपकाराय वहन्ति। 3. दुहन्ति गावः। 4. परोपकारार्थमिदं। **(III)** 1. वृक्षाः परोपकाराय फलन्ति। 2. लोभात् क्रोधः प्रभवति। 3. त्वमेव माता च पिता त्वमेव।

अध्याय- त्रयोदशः मम धेनुः

(I) 1. धेनुः चणकान् खलिं हरित तृणानि च खादति। 2. गोमयम् पवित्रं मन्यते। 3. धेनोः दुग्धं पीत्वा बालकाः पुष्टाः भवन्ति। 4. गोमयेन स्त्रियः स्व-स्व गृहं लेपयन्ति। **(II)** 1. मातृवत् 2. पशुः 3. दुग्धं 4. पवित्रं 5. गोमाता

अध्याय- चतुर्दशः दीपावलिः

(I) 1. दीपावलिः शरत्कालस्य मध्ये कार्तिक मासस्य अमावस्यायाम् भवति। 2. उत्सवस्य पूर्वम जनाः स्व गृहाणि स्वच्छानि कुर्वन्ति। 3. दीपावल्याः अवसरे लक्ष्मीः पूजा भवति। 4. पूजावसरे जनाः सुखं, समृद्धिं च याचयन्ति। 5. बालकाः स्फोटक पदार्थान् चालयन्ति। **(II)** 1. धार्मिकः 2. स्वच्छानि 3. रात्रौ, दीपान् 4. चालयन्ति 5. द्यूत क्रीड़या।

कक्षा - 4

अध्याय- प्रथम: प्रथम: पुरुष: पुल्लिंग

(I) 1. स: लिखति। 2. स: पठति। 3. तौ हसत:। 4. ते पठन्ति। 5. राम: लिखति। **(II)** 1. वह पढ़ता है। 2. राम लिखता है। 3. वे दोनों कहाँ जाते हैं? 4. व्यक्ति हँसता है। 5. राम विद्यालय जाता है। **(III)** 1. पठति 2. पठति 3. हसन्ति 4. गच्छन्ति 5. आगच्छन्ति 6. पठति 7. गच्छत: 8. पठथ: 9. वदामि 10. लिखाव:।

अध्याय- द्वितीय मध्यम पुरुष: स्त्रीलिंग

(I) 1. त्वं राज्यस्य रक्षां करोसि। 2. त्वं जना: वदथ:। 3. युवाम् भोजनम् कदा पचथ:। 4. त्वं सत्यं वदसि। 5. त्वं जना: पत्रं लिखथ। **(II)** 1. तुम सब फूलों की रक्षा करते हो। 2. तुम मेरी पुस्तक पढ़ते हो। 3. तुम घर जाते हो। 4. अब तक तुम सब हँस रहे हो। 5. वे जाने वाले हैं। **(III)** 1. पठसि 2. लिखथ 3. पठथ: 4. पचसि 5. रक्षथ 6. गच्छामि 7. लिखति 8. विद्यालयं 9. वदत: 10. गच्छाम:।

अध्याय- तृतीय: उत्तम पुरुष: पुल्लिंग

(I) 1. अहम् क्रीडां पश्यामि। 2. वयम् पठाम:। 3. अहम् पुष्पं घ्रणामि। 4. अहम जलं पिवामि। 5. आवाम् सत्यं वदाव:। 6. वयम् विद्यालयं गच्छाम:। 7. अहम् पत्रं लिखामि। **(II)** 1. मैं कहानी याद करता हूँ। 2. हम लोग विद्या पढ़ते हैं। 3. हम दोनों खेल देखते हैं। 4. हम लोग देखते हैं। 5. हम दोनों पढ़ते हैं। 6. हम सब सच बोलते हैं। 7. मैं मैदान में खेलता हूँ। **(III)** 1. तिष्ठाम: 2. जिघ्रामि 3. पिवाम: 4. पश्याव: 5. लिखामि 6. निवसथ 7. पश्यन्ति 8. क्रीड़ामि।

अध्याय- चतुर्थ स:, तौ, ते.....

(I) 1. द्वौ बालकौ: स्त:। 2. त्रय: नृपा: सन्ति। 3. स: ईश्वरस्य चिंतनं करोति। 4. दश: पुस्तके सन्ति। 5. अष्टम् लते सन्ति। 6. पंचम् उँगलिये सन्ति। 7. ईश्वर: एक: अस्ति। **(II)** 1. यहाँ पुस्तक और फल हैं। 2. हम सब हैं। 3. राम, कृष्ण पढ़ते हैं। 4. वे सब नए खेल करते हैं। 5. वहाँ दस और व्यक्ति हैं। 6. वे दोनों पुस्तक पढ़ते हैं। 7. मैं पत्र पढ़ता हूँ। **(III)** 1. बालकौ 2. करोति 3. कुरुव: 4. अस्ति 5. पुण्यं फलम चस्त: 6. अनृतम् मा वदति। 7. अस्ति।

अध्याय- पंचम: (नपुंसकलिंग)

(I) 1. बालक: विद्यालयं गच्छति। 2. राम: गृहं कदा आगच्छति? 3. कन्या: पुष्पं चाहति। 4. स: दश: कोसं चलति। 5. विद्यालयं अभित: वनम् अस्ति। 6. ग्रामम् परित: सरोवरम् अस्ति। 7. बालिका: विद्यालयम् गच्छति। **(II)** 1. राम गाँव जाता है। 2. गाँव के दोनों ओर जल है। 3. घर जाता है। 4. धर्म का अनुसरण करो। 5. गाँव के चारों ओर जंगल है। **(III)** 1. विद्यालयं गच्छति। 2. राम: अनुगच्छति। 3. पुनपं परित:। 4. पुत्र: विद्यालयं समया तिष्ठति। 5. ग्रामं परित: जलं अस्ति। 6. रामस्य पुस्तक: कुत्र अस्ति ? 7. गृहे कलेशानि नोचिता। 8. ग्रामम् बालक: आगच्छत्।

अध्याय- षष्ठम: लोट लकार

(I) 1. स: पुस्तकं पठतु। 2. स: भोजनम् खादतु। 3. त्वं नगरं गच्छ। 4. नगरस्य अभित: वनं सन्ति। 5. पुत्र: गृहम अधिशेते। 6. माताजी भोजनं पचति। 7. भगिनी: पाठं स्मरति। **(II)** 1. तुम गाँव जाओ। 2. मैं भोजन खाता हूँ। 3. वह घर में सोता है। 4. विद्यालय के चारों ओर पुष्प हैं। 5. गाँव के बाहर जल है। 6. दो पाठ रोजाना पढ़ो। 7. ईश्वर महान् है। **(III)** 1. पश्य 2. नगरं 3. अधिष्ठत: 4. खादामि 5. गच्छन्ति।

अध्याय- सप्तम: सुभाषितानि

(I) 1. उद्यमेन कार्याणि सिध्यन्ति। 2. उद्यमेन हि कार्याणि सिध्यन्ति। 3. शुष्क वृक्षाश्च मूर्खाश्च, न नमन्ति। 4. व्ययं कृते वर्धते एव नित्यं विद्याधनं सर्वधनम् प्रधानम्। 5. यं मातापितरौ क्लेशं सहेते। **(II)** 1. कार्याणि न मनोरथै:। 2. नमन्ति, नमन्ति। 3. सुखिन:, निरामया। 4. विद्याधनं सर्वधनम् प्रधानम्। 5. मातापितरौ। **(III)** 1. (ङ) 2. (घ) 3. (ग) 4. (ख) 5. (क)

पाठ- अष्टम: मूर्ख जनै: सह मित्रता नोचिता

(I) 1. एकस्मिन् नगरे एक: नृप: आसीत्। 2. एकदा नृप: सुप्त: आसीत्। 3. स: वानर: व्यजनेन तम् अनीयत्। 4. वानर: वारें-वारें ताम् मक्षिका व्यजनेन निवारयति स्म। 5. मूर्ख जनै: सह मित्रता नोचिता। **(III)** 1. (v) 2. (iv) 3. (iii) 4. (ii) 5. (i) **(III)** 1. बहव: पश्व: 2. अभवत् 3. खड्गेन प्रहारम 4. नृपस्य नासिका 5. नृप: **(IV)** 1. (✗) 2. (✓) 3. (✗) 4. (✓) 5. (✗)।

अध्याय- नवम: ऋषि वाल्मीकि

(I) 1. वाल्मीकि: रामायणी कथा लिखिता। 2. ''मा निषाद प्रतिष्ठां त्वमगम: शाश्वती। समा: यत्क्रौञ्चमिथुनादेकमवधी: काममोहितम्॥'' अयमेय श्लोक: लौकिक साहित्यस्य प्रथमा काव्य रचना। 3. अत्र कविता पितु: आज्ञापालनं, भ्रातृस्नेह:, परोपकार, दयालुता, दीनरक्षा इत्यादीमि मानवताया: पोषकाणि जीवनमूल्यामि वर्णितानि सन्ति। 4. प्राचीन काले वाल्मीकि: नामा ऋषि: आसीत्। 5. स: शिष्यै सह स्नातु तमसानदीम् अगच्छत्। **(II)** 1. वाल्मीकि नामा 2. व्याधेन 3. ऋषिश्यं 4. त्वमगम: 5. उच्चै:। **(III)** 1. (ङ) 2. (घ) 3. (क) 4. (ग) 5. (ख)।

अध्याय- दशम् उपदेशो हि मूर्खानाम्

(I) 1. वृक्षे खगा: वसन्ति स्म। 2. एक: वृक्ष: आसीत्। 3. खगा: वानरम् अवदन् - ''भो वानर! त्वं कष्टम् अनुभवसि। तत् कथं गृहम निर्माणेन न करोपि''। 4. वानर: शीतेन कम्पित: अभवत्। 5. वानर: खगानां नीडामि वृक्षात् अध: अपातयत्। **(II)** 1. हाँ 2. नहीं 3. हाँ 4. हाँ 5. हाँ 6. हाँ 7. हाँ। **(III)** 1. कश्चित् वानर: 2. वृष्टि: 3. वृष्टि-जलेन 4. निर्माणेन 5. मूर्खाणां 6. वृष्टि-जलेन 7. खगानां।

अध्याय- एकादश: अमर सूक्तिनां

(I) 1. पुस्तकेषु विद्या समुत्पन्ने। 2. परहस्तेषु धनम् कार्यकाले समुत्पन्ने न सुरक्षितम्। 3. राजद्वारे श्मशानै च स बान्धव: अतिष्ठति। 4. प्रियवाक्यप्रदानेन सर्वे तुष्यन्ति जन्तव:। 5. ईशेन माम् नासाचरभ्या मननाय चितम् दत्तं। **(II)** 1. पुस्तकेषु च या। 2. यस्तिष्ठति स बान्धव:। 3. प्रियवाक्यप्रदानेन। 4. हस्तौ च पादौ नयने विशाले। 5. विद्वान सर्वत्र पूज्यते। 6. वक्तव्यं। **(III)** 1. पुस्तकों से विद्या। 2. मीठे वचन बोलने से।

3. समय-सीमा दोनों पर। 4. विद्वता और राजत्व। 5. दो हाथ, दो पैर और बड़े नेत्र। 6. त्योहार में, संकट में, अकाल पड़ने पर और देश में संकट आने पर। 7. ईश्वर के द्वारा दिया गया सब कुछ। 8. राजदरबार में और श्मशान में जो रहता है, वह भाई है।

अध्याय- द्वादशः बुद्धिर्यस्य बलम्

(I) 1. सिंहस्य नाम दुर्दान्तः आसीत्। 2. सिंह मन्दरपर्वते वसति स्म्। 3. शशकः अवदत् मार्गे अपरः सिंह आसीत्। सः मामअपश्यत् अवदत च ''अहम अस्य वनस्य राजा अहं त्वं भक्षयिष्यामि। 4. एकदा एकस्य शशकस्य वारः समायातः। 5. शशकः सिंहम् एकस्य गंभीरस्य कूपस्य समीपम् अनयत्। **(II)** 1. मन्दरपर्वते 2. सिंहस्य 3. शशकस्य 4. सिंहस्य 5. कूपे। **(III)** 1. (✗) 2. (✓) 3. (✗) 4. (✓) 5. (✗)। **(IV)** 1. (iv) 2. (iii) 3. (i) 4. (ii) 5. (v)।

अध्याय- त्रयोदशः यमुनातटः

(I) 1. यमुनजले कालियानागस्य कुण्ड्म् आसीत्। 2. कालियानागस्य एकाधिकशतं फणाः आसन्। 3. कालियानागस्य फणाः शनैः शनैः छिन्नाः भिन्नाः अभवन्। 4. श्री कृष्णः एकं वृक्षम् आरोहत्। 5. एकदा श्रीकृष्णः वृन्दावने यमुनातटम् अगच्छत्। **(II)** 1. यमुनातटे 2. कुण्डम् 3. खगाः पश्वः 4. फणान् 5. जन्मतः एव **(III)** 1. (✗) 2. (✗) 3. (✗) 4. (✓) 5. (✓)।

अध्याय- चतुर्दशः शिवाजी महाराजः

(I) 1. बालः अपृच्छत् - भोः किम् एतत् सत्यम्। 2. शिवाजी चतुर्दश वर्षीयः बालकः। 3. ते कुमार विनयेन सह प्रणम्य अवदन् कुमार। 4. यं जनान् पीड्यन्ति ते मम् शत्रवः। 5. शत्रोः नाशः मम् परमः धर्मः। **(II)** रमणीयः 2. परितः 3. शत्रवः 4. धर्मः 5. शिवाजी महाराजः। **(III)** 1. (ii) 2. (i) 3. (v) 4. (iii) 5. (iv)।

अध्याय- पंञ्चदशः रक्षकः भक्षकात् श्रेष्ठः

(I) 1. सिद्धार्थ भ्रमणाय उपवनम् अगच्छत्। 2. हंस दृष्टवा देवदत्तः हंसस्य परिचर्याम् अकरोत्। 3. देवदत्तः शरेण आकाशे एकं हंसम् अविंध्यता। 4. हंसस्य रक्षकः सिद्धार्थः। 5. सिद्धार्थः करूणया तं हंस कुटीरम् आनयत्। **(II)** 1. खगाः 2. हंसम् 3. करूणया 4. नृपस्य 5. भक्षकात्। **(III)** 1. (ङ) 2. (घ) 3. (ख) 4. (ग) 5. (क)।

कक्षा - 5

अध्याय- प्रथमः प्रार्थना

(I) छात्र स्वयं करें। **(II)** छात्र अध्यापक की सहायता से स्वयं करें।

अध्याय- द्वितीय प्रथमः पुरुषः पुल्लिंग

(I) 1. अश्वः 2. देवः 3. उष्ट्रः 4. लिख् 5. पठ 6. खाद् 7. नम् **(II)** 1. दृशति 2. चलन्ति 3. हसन्ति 4. चरतः। **(III)** 1. बालक नमस्कार करते हैं। 2. राम और श्याम पढ़ते हैं। 3. देवता देख रहे हैं। 4. छात्र लिखते नहीं हैं, वे दौड़ते हैं। 5. वह हँसता है, हाथी नहीं हँसता। 6. घोड़े चरते हैं, बैल खाते हैं। **(IV)** 1. अश्वा : धावन्ति। 2. अजः चरति। 3. तौ पठतः। 4. देवाः पश्यन्ति। 5. गजः चलति 6. अशोकः लिखति।

अध्याय- तृतीयाः प्रथमः पुरुषः स्त्रीलिंग

(I) 1. सर्वत्र 2. परस्परं 3. सायम 4. विकसति। **(II)** 1. बाला गच्छति। 2. कन्या सर्वत्र गच्छति। 3. छात्रा वृथा एवं वदन्ति। 4. ताः कन्याः सन्ति 5. बाला हसति। **(III)** 1. पुल्लिंग - स्त्रीलिंग 2. पुल्लिंग - स्त्रीलिंग 3. पुल्लिंग - स्त्रीलिंग। **(IV)** 1. नमतः 2. आगच्छन्ति 3. ताः 4. क्रीडन्ति 5. पठतः। **(V)** 1. सकला कन्याः आगच्छन्ति। 2. ताः घूमन्ति 3. राधाः सर्वदा पठति, क्रीडति च। 4. कलिकाः विकसन्ति। 5. ललनाः चलन्ति। 6. बाला धावति।

अध्याय- 4 चतुर्थ मध्यमः पुरुषः

(I) 1. तुम बालक हो। 2. तुम सब यहाँ नहीं पढ़ते हो। 3. तुम दोनों बालक हो। 4. तुम सब पूरे देशभक्त हो। 5. तुम जोर से हँसते हो। **(II)** 1. जनकः 2. अम्बा 3. आगच्छति 4. शनैः 5. शीघ्रं-शीघ्रं 6. यत्र। **(III)** 1. यत्र रमा न अस्ति। 2. यूयं शीघ्रं चलथ। 3. यूयम सैनिका स्था। 4. त्वम् उच्चैः हससि। 5. त्वं बालः असि। 6. अशोकः त्वं जनकः अस्ति। **(IV)** 1. त्वं किं गच्छति। 2. युवाम् न पठथः। 3. यूयं जनकः नमन्ति। 4. त्वम् उच्चैः हससि। 5. यूयम् सर्वत्र पश्यथ। **(V)** 1. यत्र राधा स्थः तत्र गीताः अस्ति। 2. यूयम् देशः रक्षथ। 3. युवाम् शीघं गच्छथः। 4. गजः शनैः चलति। 5. ते बालकान् सर्वदा खेलथ। 6. यूयम बालाः पठथः।

अध्याय- पंचमः उत्तमः पुरुषः

(I) 1. अधुना 2. वयम् 3. तूष्णः 4. असत्यं 5. प्रसन्ना। **(II)** 1. गम् (गच्छ) धातु के लट् लकार में रूपः- पुरुष- प्रथम पुरुष, मध्यम पुरुष, उत्तम पुरुष एकवचन- गच्छति, गच्छसि, गच्छामि द्विवचन- गच्छतः, गच्छथः, गच्छावः बहुवचन- गच्छन्ति, गच्छथ, गच्छामः 2. पुरुष- प्रथम पुरुष, मध्यम पुरुष, उत्तम पुरुष एकवचन- यच्छति, यच्छसि, यच्छामि द्विवचन- यच्छतः, यच्छथः, यच्छावः बहुवचन- यच्छन्ति, यच्छथ, यच्छामः 3. पुरुष- प्रथम पुरुष, मध्यम पुरुष, उत्तम पुरुष एकवचन- हसति, हससि, हसामि द्विवचन- हसतः, हसथः, हसावः बहुवचन- हसन्ति, हसथ, हसामः 4. पुरुष- प्रथम पुरुष, मध्यम पुरुष, उत्तम पुरुष एकवचन- चलति, चलसि, चलामि द्विवचन- चलतः, चलथः, चलावः बहुवचन- चलन्ति, चलथ, चलमः 5. पुरुष- प्रथम पुरुष, मध्यम पुरुष, उत्तम पुरुष एकवचन- क्रीडति, क्रीडसि, क्रीडामि द्विवचन- क्रीडतः, क्रीडथः, क्रीडावः बहुवचन- क्रीडन्ति, क्रीडथ, क्रीडामः **(III)** 1. युवाम् 2. अहम लिखसि 3. त्वं 4. पठामि 5. किं 6. अपि 7. आगच्छसि 8. त्वं 9. पठामि किं 10. युवाम्। **(IV)** 1. वयम् तूष्णीम् गच्छमः। 2. युवाम् शनैः पठतः। 3. अहं स्वयं पश्यामि। 4. आवाम् शीघ्रं चलावः। 5. ते तूष्णीम् क्रीडन्ति। 6. सकला छात्राः धावन्ति।

अध्याय- षष्ठः अकारान्त नपुंसकलिंग

(I) 1. उतिष्ठाः 2. बहः 3. मधुरम् 4. पक्वम् 5. भूषणम। **(II)** 1. अहम् शनैः गच्छामि। 2. तानि शनैः गच्छन्ति। 3. द्वौ चक्रे भ्रमतः। 4. पक्वं फलं मधुरम् भवति। 5. तत् पत्रं पीतम् अस्ति। 6. तत् वस्त्रम् पीतम् अस्ति। **(III)** 1. शुष्कम् 2. मधुरम् 3. सुन्दरम् 4. तामि 5. पीतम्। **(IV)** 1. तत् गृहं अस्ति। 2. ते पुष्पे पतनः। 3. तानि मित्राणि हसन्ति। 4. भूषणम् पवित्रम् अस्ति। 5. जलं शीतलम् अस्ति। 6. पत्रं नीचैः पतन्ति। 7. फलं मधुरम् सन्ति। 8. द्वो चक्रम् मिलते।

अध्याय- सप्तम् सर्वनाम तद् (वह) पुल्लिंग प्रथम पुरुष

(I) 1. (स) 2. (ते) 3. (तौ) 4. (तौ)। **(II)** 1. क्रीडति 2. पठन्ति 3. नमति 4. खादति **(III)** 1. ते पिवन्ति 2. सः लिखति 3. तौ गच्छतः 4. ते धावन्ति। **(IV)** 1. पुरुष 1. प्रथम पुरुष 2. प्रथम पुरुष 3. प्रथम पुरुष 4. प्रथम पुरुष एकवचन- लिखति, पतति, वदति, हसति।

अध्याय- अष्टमः सर्वनाम तद् (वह) स्त्रीलिंग

(I) 1. (साः) 2. (ताः) 3. (ते) 4. (सा) **(II)** 1. ताः बालिका हसन्ति। 2. सा उषा पठति। 3. ते द्वो अजे, चरतः। 4. ते द्वो बालिके गायन्ति। **(III)** 1. वे सब लड़कियाँ हँस रही हैं। 2. वह उषा लिख रही है। 3. वे दो बकरियाँ चर रही हैं। 4. वे दोनों बालिका गाना गा रही हैं। **(IV)** 1. गायतः 2. कलिकाः 3. हसति 4. धावतः।

अध्याय- नवम्: सर्वनाम तद् (वह) नपुंसकलिंग

(I) 1. विकसतः 2. पश्यतः 3. पतन्ति 4. धावन्ति। **(II)** 1. ते मित्रें आगच्छतः। 2. ते द्वो मशीने भ्रमतः। 3. तत् फलम् पतति। 4. ते पत्ते पततः। **(III)** 1. वे सब फूल खिलते हैं। 2. वह फूल खिलता है। 3. वे दोनों मित्र खेलते हैं। 4. वे सब चक्र घूमते हैं। **(IV)** 1. पतति 2. विकसतः 3. फलतः 4. नमति। **(V)** 1. फलम् 2. नेत्रे 3. मित्रम् 4. चक्रम्।

अध्याय- दशम् सर्वनाम इदम् (यह)

(I) 1. इमौ 2. अयम् 3. इमे 4. इद्म 5. इमे 6. इमाः 7. इदम् 8. इमे। **(II)** 1. ये दोनों किसान हैं। 2. यह बर्तन है। 3. यह माला है। 4. ये सब हाथी हैं। 5. ये सब मछलियाँ है। 6. ये सब फूल हैं। **(III)** 1. अजे 2. पुष्पानि 3. इयम् 4. बालकौ 5. बालकः 6. अजाः।

अध्याय- एकादशः चतुरः वानरः

(I) 1. नदी तीरे एकः जम्बुवृषः आसीत्। 2. वानरः प्रतिदिनं तस्मै जम्बुफलस्ययच्छत्। 3. सा पतिमकययत् भोः! जम्बुभक्षकस्य तव मित्रस्य हृदयपि जम्बूवत् मधुरं भविष्यति। 4. चतुर वानरः शीघ्रमकययत् - अरे मूर्ख! कंय न पूर्वमेव निवेदितं त्वया? मम् हृदयं तु वृक्षस्य कोठरे एव निहितम्। 5. वानरः जम्बुवृषः प्रतिवसति स्म। **(II)** 1. जम्बुवृषः 2. मकरः 3. हृदयं 4. हृदयं 5. अतिमधुरम्। **(III)** 1. (✗) 2. (✓) 3. (✓) 4. (✗) 5. (✓)। **(IV)** 1. (5) 2. (4) 3. (2) 4. (3) 5. (1)।

अध्याय- द्वादशः पार्वती

(I) 1. पार्वती शिवं पतिरूपेण प्राप्तुं तपस्याम् अकरोत्। 2. सा पितृगृहे परित्यज्य कानने अवसत्। 3. जननी आदिशत् वत्से। क्व कठिनं तपः क्वच तव कोमलं शरीरम् ? कथं आतपात् शीतात वा आत्मान रक्षिष्यसि ? सुखेन स्वगृहें एव नस। अत्रैव त्रातादिंक कुरु। 4. कतिचिद् मासाः गाताः एकदाः वटु तपोवनं प्रविशत्। 5. वटुः कौतूहलेन कुशलं अपृच्छत। **(II)** 1. कानने 2. ईश्वरः 3. गृहे 4. शिवं 5. पार्वती **(III)** 1. (✓) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✗) 5. (✓) **(IV)** 1. भगवान् मेरी रक्षा करेंगे। 2. किस लिए कठिन तप करना चाहती हो? 3. यह तुम्हारा वार्तालाप उचित नहीं है। 4. क्या यह सत्य है कि तुम शिव को पति रूप में पाना चाहती हो ?

अध्याय- त्रयोदशः न गङ्गदत्त पुनरेतिकूपम्

(I) 1. सः गङ्गदऊ परिश्रमं विवेक प्रभुत्वं प्राप्नोति। 2. गङ्गदऊ दुर्व्यवहारेण मेकाः रूष्टाः जाताः। 3. एकः नष्ट बुद्धि माम् मण्डूकः नत्वा ''पीति बिना किमपि न सिघ्यति'' अकथयत्। 4. सर्पः वृक्षस्य कोटरे निवसति। 5. गङ्गदत्त अवदत् त्वया सह मैत्री कुर्तु तव द्वारम उपागत। 6. सः सर्पः प्रतिदिनं एकैकं भण्डूक खादति स्म। **(II)** 1. वृक्षस्य- जीर्णः कूपः 2. परिश्रम 3. शत्रु 4. कूपात् 5. मैत्री। **(III)** 1. (v) 2. (iv) 3. (ii) 4. (iii) 5. (i)

अध्याय- चतुर्दशः अति लोभो न कर्त्तव्यः

(I) 1. मायादास कस्मिश्चिद् देशे भूपतिः नाम अस्ति। 2. मायादास प्रासादम कोडपि मुनिः आगच्चछत। 3. सः लोभेन प्रेरितः अवदत्। 4. मुनै वरं लब्ध्वा सः गृहं प्रविष्टः। 5. मायादासः स्पष्टा सः मञ्जरी सुवर्णमयी जाता। **(II)** 1. मुनिः 2. सौवर्णाः 3. जलमपि 4. वरं 5. कर्त्तव्यः, दुःखस्य। **(III)** 1. (ii) 2. (i) 3. (iv) 4. (v) 5. (iii) **(IV)** iii, v, ii, iv, i। **(V)** 1. तब उसको बड़ी प्यास लगी। 2. उसकी बेटी बहुत सुन्दर है। 3. तब कुमारी को देखकर दुःखी हुआ। 4. हाँ, कुमारी सोने की हो गई।

अध्याय- पञ्चदशः (दोहाः)

(I) 1. अभिवादनशीलस्य नित्यं वृद्धोपसेनिनः चत्वारि वर्धन्ते। 2. येषां न विद्या, न तपो, न दानं, ज्ञानं, न शीलं, न गुणो, न धर्मः ते मृत्युलोके भुवि भारभूता। 3. तपः त्रिषु तुष्टेसु तपः समाप्यते। 4. मणिना भूषितः सर्पः न भयंकरः। 5. प्रारम्यते न खलु विहनभयेन नीचैः।

अध्याय- षोडशः सुनिचार्य विद्यातव्यम्

(I) 1. माधवः नामः गोपालकः गृहे नन्दिनी नामैका गौः आसीत्। 2. नन्दिनी गौः दुग्धं विक्रीय सः सुखेन जीवन यापयति स्म। 3. पञ्चाशत् किलोमितं पयः विक्रीय बहुधनं प्राप्स्ये। 4. भार्या मालती मूर्च्छाम् दूरीकृत्य माधवः ताम् अकथयत्। 5. मध्वपि कार्य अविचार्य न कर्त्तव्यम्। **(II)** 1. नन्दिनी 2. यज्ञः 3. तिलकं 4. सत्वरं 5. सुविचार्य। **(III)** 1. (ii) 2. (iii) 3. (i) 4. (v) 5. (iv)

अध्याय- सप्तदशः पराधिकार चर्चा

(I) 1. आसीत् पुरा वाराणस्यां कर्पूरपट नाम रजकः। 2. गर्दभः भारं वहति। 3. एकदा रात्रौ एकः चौरः द्रव्याणि हर्तु तस्य गृहं प्रविष्टः। 4. कुक्कुरस्य भाषणं श्रुत्वां गर्दभः कोपेन तम् अकथयत्। 5. गर्दभस्य चीत्कारेण प्रबुद्धो सः रजकः निद्राभङगकोपात् उत्थाय् लगुडोन गईं ताडयामास अकरोत्। **(II)** 1. गृहरक्षां 2. नियोगस्थ 3. गृहरंक्षा 4. आहारदाने 5. गर्दभः। **(III)** 1. (v) 2. (iii) 3. (ii) 4. (iv) 5. (i) **(IV)** ii, i, iv, iii, v।

अध्याय- अष्टादशः लोभः नाशस्य कारणम्

(I) 1. कस्मिश्चिद् नगरे चन्द्र नामकः राजा आसीत्। 2. राजा चन्द्रस्य भवन परिसरे अनेके अश्वाः, वानराः, मेषाः च वसन्ति स्म। 3. राजा चन्द्रस्य वने स्थितस्य एकस्य सरोवरस्य वैचित्र्यं ज्ञातवान्। 4. राजा वानरेण सह वनं गतवान्। 5. विस्मितः नृपः वानरम् अपश्यत्। 6. वृक्षम आरूहय राजानम् उवाच- ''भो दुष्ट नरपते! प्रसन्नो भव। नष्टाः ते जनाः पूर्व त्वं अश्वलोभात् पालित वाननराणां वद्यं कारितवान् अधुना लोभवशीभूतः स्वजनानां मृत्योः कारणम् अपि अभूः धिक्त्वां लोभाभिभूतात्मानम्।'' **(II)** 1. वानराः 2. सरोवरस्य 3. सरोवर जलं 4. सरः 5. वनं। **(III)** 1. (v) 2. (iii) 3. (iv) 4. (ii) 5. (i)।

अध्याय- नवदशः सुभाषितानि

(I) 1. प्रीतिः 2. कश्चित् 3. शुष्कः 4. दाहो 5. पादप **(II)** 1. विद्याम् महाधनम् अस्ति। 2. विद्यार्थी विद्याभ्यासं करोति। 3. बान्धवाः स्वः बन्धुनाम् प्रीतिः कुर्वन्ति। 4. रामः वनं गच्छति। 5. बुद्धिः ददाति विनयं। **(III)** छात्र स्वयं करें। **(IV)** 1. कुलीनः विद्येण सुन्दरम् भवति। 2. वयम् विद्यां पठामः। 3. विद्यार्थीः सर्वदा अभ्यासं करोति।